>

Title: Regarding C&AG reports on preparedness of Defence Forces impacting national security.

श्री मनीष तिवारी (लुधियाना): अध्यक्षा जी, मैं आपका बहुत आभारी हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। मैं आपका और सारे सदन का ध्यान एक बहुत ही गंभीर मुद्दे की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। पिछले दिनों कुछ समाचार पत्रों में यह खबर छपी थी कि सेना में इस बात को लेकर काफी रोष है कि सीएजी की जो रिपोर्ट्स हैं, वह सेना की गोपनीयता को भंग कर रही हैं। इसके दो पहलू हैं - पहला पहलू यह है कि राष्ट्रीय सुरक्षा की आड़ लेकर सीएजी की जो एक पारदर्शक प्रक्रिया है, उससे बचा नहीं जाना चाहिए और इसके साथ-साथ इसका दूसरा पहलू है, जो इससे ज्यादा संवेदनशील है और बहुत ही गंभीर है कि अगर सेना में इस चीज को लेकर तनिक भी चिंता है कि जो सीएजी की रिपोर्ट्स हैं, क्योंकि वह सदन के पटल पर रखी जाती हैं, उसके बाद पब्लिक एकाउंट्स कमेटी उनका निरीक्षण करती है कि अगर किसी भी तरह से सेना की गोपनीयता भंग हो रही है या उनकी आपरेशनल रेडीनेस को कंप्रोमाइज किया जा रहा है, तो मैं सरकार से और रक्षा मंत्री जी सदन में उपस्थित हैं, उनसे आग्रह करना चाहता हूं कि कुछ ऐसा रास्ता निकाला जाना चाहिए जिससे पारदर्शिता भी कंप्रोमाइज न हो और उसके साथ-साथ जो सेना के मन में आशंका है कि आपरेशनल रेडीनेस भंग हो रही है, सेना की गोपनीयता भंग हो रही है, उसको भी किसी तरह से रोका जाए।